प्रेम कहानीः परमेश्वर की छुटकारे की काव्य कहानी

छुटकारे की कथा

डा0 डेविड प्लैट

जूलाई 26, 2009

छुटकारे की कथा

रूत 4

तब बोअज फाटक के पास जाकर बैठ गया; और जिस छुड़ानेवाले कुटुम्बी की चर्चा बोअज ने की थी, वह भी आ गया। तब बोअज ने कहा, हे मित्र, इधर आकर यहीं बैठ जा; तो वह उधर जाकर बैठ गया।

तब उसने नगर के दस वृद्ध लोगों को बुलाकर कहा, यहीं बैठ जाओ; वे भी बैठ गए।

तब वह छुड़ानेवाले कुटुम्बी से कहने लगा, नाओमी जो मोआब देश से लौट आई है वह हमारे
भाई एलीमेलेक की एक टुकड़ा भूमि बेचना चाहती है।

इसलिये मैं ने सोचा कि यह बात तुझ को जताकर कहूंगा, कि तू उसको इन बैठे हुओं के साम्हने और मेरे लोगों के इन वृद्ध लोगों के साम्हने मोल ले। और यदि तू उसको छुड़ाना चाहे, तो छुड़ा; और यदि तू छुड़ाना न चाहे, तो मुझे ऐसा ही बता दे, कि मैं समझ लूं; क्योंकि तुझे छोड़ उसके छुड़ाने का अधिकार और किसी को नहीं है, और तेरे बाद मैं हूं। उसने कहा, मैं उसे छुड़ाऊंगा।

फिर बोअज ने कहा, जब तू उस भूमि को नाओमी के हाथ से मोल ले, तब उसे रूत मोआबिन के हाथ से भी जो मरे हुए की स्त्री है इस मनसा से मोल लेना पड़ेगा, कि मरे हुए का नाम उसके भाग में स्थिर कर दे

उस छुड़ानेवाले कुटुम्बी ने कहा, मैं उसको छुड़ा नहीं सकता, ऐसा न हो कि मेरा निज भाग बिगड़ जाए। इसलिये मेरा छुड़ाने का अधिकार तू ले ले, क्योंकि मुझ से वह छुड़ाया नहीं जाता।

उन दिनों में, इस्राएल में छुड़ाने के बदलने के विषय में सब पक्का करने के लिये यह व्यवहार था, कि मनुष्य अपनी जूती उतार के दूसरे को देता था। इस्राएल में गवाही इसी रीति होती से थी।

इसलिये उस छुड़ानेवाले कुटुम्बी ने बोअज से यह कहकर; कि तू उसे मोल ले, अपनी जूती उतारी।

तब बोअज ने वृद्ध लोगों और सब लोगों से कहा, तुम आज इस बात के साक्षी हो कि जो कुछ एलीमेलेक का और जो कुछ किल्योन और महलोन का था, वह सब मैं नाओमी के हाथ से मोल लेता हूं।

फिर महलोन की स्त्री रूत मोआबिन को भी मैं अपनी पत्नी करने के लिये इस मनसा से मोल लेता हूं, कि मरे हुए का नाम उसके निज भाग पर स्थिर करूं, कहीं ऐसा न हो कि मरे हुए का नाम उसके भाइयों में से और उसके स्थान के फाटक से मिट जाए; तुम लोग आज साक्षी ठहरे हो।

तब फाटक के पास जितने लोग थे उन्हों ने और वृद्ध लोगों ने कहा, हम साक्षी हैं। यह जो स्त्री तेरे घर में आती है उसको यहोवा इस्राएल के घराने की दो उपजानेवाली राहेल और लिआ के समान करे। और
तू एप्राता में वीरता करे, और बेतलेहेम में तेरा बड़ा नाम हो;
और जो सन्तान यहोवा इस जवान स्त्री के द्वारा तुझे दे उसके कारण से तेरा घराना पेरेस का सा हो जाए, जो तामार से यहूदा के द्वारा उत्पन्न हुआ।

तब बोअज ने रूत को ब्याह लिया, और वह उसकी पत्नी हो गई; और जब वह उसके पास गया
तब यहोवा की दया से उस को गर्भ रहा, और उसके एक बेटा उत्पन्न हुआ।

फिर नओमी उस बच्चे को अपनी गोद में रखकर उसकी धाय का काम करने लगी।

और उसकी पड़ोसिनों ने यह कहकर, कि नओमी के एक बेटा उत्पन्न हुआ है, लड़के का नाम ओबेद रखा। यिशै का पिता और दाऊद का दादा वही हुआ।

पेरेस की यह वंशावली है, अर्थात् पेरेस से हेब्रोन, और हेब्रोन से राम, और राम से अम्मीनादाब, और अम्मीनादाब से नहशोन, और नहशोन से सल्मोन
और सल्मोन से बोअज, और बोअज से ओबेद, और ओबेद से यिशै, और यिशै से दाऊद उत्पन्न हुआ। (रूत 4:1–22)

यदि आपके पास बाइबल है, मेरी आशा है कि होगी, तो कृपया मेरे साथ रूत 4 को निकालें। क्या रूत की पुस्तक अविश्वसनीय नही है? इसमें से होकर गुजरें। आज हम कहानी की चरम सीमा पर आ पहुँचे हैं, सभी अंतों का अंत, सभी आश्चर्यों का आश्चर्य! मेरे विचार से, रूत की पुस्तक उस व्यक्ति की फिल्मों की तरह है, मैं उसके नाम का सही से उच्चारण भी नही कर सकता, एम. नाइट श्यामलन। मुझे नही पता आप इसका कैसे उच्चारण करते है, परंतु उसकी फिल्मों के अंत में जब आप आते हो और अंत तक आने के बाद आप पूरी फिल्म को देखकर, कहते हो, ''वाह! मुझे पता ही नही चला कि ऐसा होगा। मैने सोचा तक नही। सब कुछ बदल गया।'' इससे आपमें दुबारा जाकर उसे देखने की इच्छा उत्पन्न होती है क्योंकि आपको यहाँ जानकारी की एक नई कड़ी मिली है। पर, श्यामल के पास रूत 4 के लिए कुछ नही है। यहाँ लेखक क्या कर रहा है।

तो हम शुरू करते हैं। आइए वचन को देखें। रूत 4। यदि आप पूरी श्रंखला में साथ नही रह पाएँ हैं, या आपने कोई संदेश नही सुना, तो आपके लिए कहानी को संक्षेप में बताना चाहूँगा। पर्दा रूत 1 में नओमी, उसके पति एलिमेलेक और उनके दो बेटों पर उठता है और वे बेतलेहम से मोआब की ओर जा रहे हैं क्योंकि बेतलेहम में अकाल पड़ा है। जब वे मोआब जाते हैं, पहले, अचानक से एलिमेलेक की मृत्यु हो जाती है और फिर नओमी के दोनों बेटों का निधन हो जाता है और वह दो मोआबी बहुओं, ओर्पा और रूत के साथ अकेली पड़ जाती है।

तब वह बेतलेहम की ओर जाने की योजना बनाती है क्योंकि उसे वहाँ भोजन और आशीष का समाचार मिलता है। ओर्पा मोआब में ही रह जाती है। रूत नओमी के साथ ही बने रहने का प्रण लेती है। नओमी बेतलेहम में प्रवेश करती है, कड़वाहट, एक वास्तविक चोट से घायल औरत जिसने अपने सब प्रियों को खो दिया और बिल्कुल, कम से कम स्वयं की सोच में, एकदम शून्य होकर लौटती है।

अगले दिन हम देखते हैं कि रूत खेतों में जाती है और वह बोअज के खेत में जा पहुँचती है। वह उसकी देख रेख करता है, उसे सुरक्षा देता है, उसके लिए प्रबंध करता है, वापिस घर पर उसके लिए आवश्यक भोजन के साथ भेजता है, शेष साल भर जीने का प्रबंध करता है।

पुस्तक की दो मुख्य समस्याएँ। ये दोनों औरतें, विधवा हैं, प्राचीन इस्राएली संस्कृति में संतानरहित हैं, जिसका मतलब है कि उन्हे भोजन, परिवार इत्यादि की जरूरत है। वारिस का न होना सब शापों में बड़ा था क्योंकि आपका नाम आपके साथ ही दब जाता है। उनकी तश्वीर, उन्हे भोजन और परिवार की जरूरत है।

रूत 2। भोजन की व्यवस्था हो गई है। रूत बोअज के खेत में हर दिन कार्य करती है। समस्या यह है कि सप्ताह पर सप्ताह बीत गई, परंतु वह उसके लिए कुछ नही कर रहा है, कम से कम हम ऐसा कह सकते हैं। अतः नओमी, योजना बनाने वाली सासु, अपने हाथ में इस मसले को लेती है और एक योजना तैयार करती है जो रूत 3 में दिख रही है। मुझे खुशी है कि हमने उस अध्याय को पार कर लिया है और वापिस जाने की जरूरत नही है।

यहाँ की तश्वीर में खेत का धुमिल दृश्य है जहाँ एक प्रकार से रूत बोअज के सामने प्रस्ताव रख रही है और बोअज इससे विनम्र हो जाता है। दोनों दाँवने की जगह पर लेटे ऊपर तारों को देख रहे होते हैं कि अचानक बोअज घोषणा करता है कि वास्तव में कोई और है जिसके पास रूत से शादी करने का पहला अधिकार है।

इसी घटना, अथवा उस रोमांच भरे दृश्य के बहाव में आप अध्याय के अंत तक आ पहुँचते हो और जब पर्दा गिरता है तो रूत और नओमी इस इंतजार में वहाँ बैठी हैं कि बोअज क्या करने जा रहा है। उसने उससे वादा किया था कि वह उस व्यक्ति से पता करेगा कि वह रूत से विवाह करेगा या नही। यदि वह करता है, तो ऐसा होने दो। परंतु यदि नही करता है तो बोअज करेगा। आज ही सब कुछ रोशनी में आने वाला है। परमेश्वर ने भोजन की जरूरत का उत्तर दिया। परिवार की जरूरत को वह कैसे उत्तर देगा, बोअज के द्वारा या दूसरे मनुष्य से?

रूत 4:1 ''तब बोअज फाटक के पास जाकर बैठ गया; और जिस छुड़ानेवाले कुटुम्बी की चर्चा बोअज ने की थी, वह भी आ गया। तब बोअज ने कहा, हे मित्र, इधर आकर यहीं बैठ जा; तो वह उधर जाकर बैठ गया।''

यहाँ हम थोड़ा रूकेंगे, जैसा हम पिछले संदेशों में करते आए हैं और पद दर पद, कथन दर कथन आगे बढ़ेंगे और सीखेंगे कि यहाँ वास्तव में क्या हो रहा है। आप उस पद 1 के बीच में देखते हैं छुड़ानेवाला कुटुम्बी। उस पर गोला बनाएँ। रूत 2:20 में उस पर गोला बनाएँ। यह एक विषय है। एक पद जिसे हमने पहले भी देखा है। हमने यहाँ वहाँ उसका उल्लेख किया परंतु यहाँ यह महत्वपूर्ण है, जहाँ हमें पता चलता है कि छुड़ानेवाला कुटुम्बी कौन होता है। अतः रूत 4 में बने रहिए और मेरे साथ लैव्यवस्था 25 की ओर आइए। बाइबल की तीसरी पुस्तक – उत्पति, निर्गमन, लैव्यवस्था। पीछे की ओर जाएँ, लैव्यवस्था 25:24 में आइए।

''छुड़ानेवाला कुटुम्बी'' – हिन्दी में दो शब्द, इब्री भाषा में एक शब्द और तश्वीर दोतरफा है। ''कुटुम्बी'' का अर्थः नजदीकी व्यस्क पुरूष रिश्तेदार, किसी के रिश्तेदारों में सबसे करीब, तो नओमी और रूत की बात करें तो यह एलिमेलेक और उसके पुत्रों का नजदीकी व्यस्क पुरूष रिश्तेदार हो सकता है। सबसे नजदीकी रिश्तेदार।

''छुड़ानेवाला'' – इसका अर्थ कि उस रिश्तेदार के पास एलिमेलेक और उसके दो पुत्रों, महलोन और किल्योन की पूरी संपत्ति को खरीदने, प्राप्त करने का अधिकार है, और योग्य है। वह उसे छुड़ा, पुनः खरीद, प्राप्त कर सकता है – मुख्य अर्थ यह है कि संपत्ति उसकी है।

परमेश्वर ने यह नियम बनाया है, अपने लोगों के द्वारा सही जा सकने वाली विषम एवं प्रतिकुल परिस्थितियों में लोगों के लिए प्रबंध करने, उन्हे मुहैया करवाने के लिए परमेश्वर ने यह नियम बनाया। लैव्यवस्था 25:24 में केवल एक उदाहरण है। मैं देखना चाहता हूँ कि परमेश्वर ने रिश्तेदार के द्वारा संपत्ति को छुटकारा किस प्रकार दिलाया।

पद 24, ''लेकिन तुम अपने भाग के सारे देश में भूमि को छुड़ा लेने देना।'' (लैव्य. 25:24) इसका मतलब क्या है? पद 25, यदि तेरा कोई भाईबन्धु कंगाल होकर अपनी निज भूमि में से कुछ बेच डाले, तो उसके कुटुम्बियों में से जो सब से निकट हो वह आकर अपने भाईबन्धु के बेचे हुए भाग को छुड़ा ले। और यदि

किसी मनुष्य के लिये कोई छुड़ानेवाला न हो, और उसके पास इतना धन हो कि आप ही अपने भाग को छुड़ा ले सके, तो वह उसके बिकने के समय से वर्षों की गिनती करके शेष वर्षों की उपज का दाम उसको जिस ने उसे मोल लिया हो फेर दे; तब वह अपनी निज भूमि का अधिकारी हो जाए। (लैव्य. 25:25–27)

अब देखिए, यहाँ की तश्वीर है कि उन दिनों में भूमि ही सब कुछ थी और इसलिए परिवार, या कम से कम कुल के अंदर ही रखने के लिए एक नियम था। और यदि किसी कारण से जमीन चली जाती है, अकाल या गरीबी या फिर कोई मृत्यु, एक तरीका रखा गया था जिससे कुटुम्बी आकर उस जमीम को छुड़ा और उसे परिवार के अंदर की रख सकता था। यह जमीन से जुड़ी तश्वीर है।

अब, जल्दी से व्यवस्थाविवरण की ओर। आगे की ओर दो पुस्तकें पार कर, व्यवस्था. 25। इसे देखें और मैं चाहता हूँ कि आप इसमें देखें कि जब विवाह और परमेश्वर की बात आती है तो नियम किस प्रकार इस बिन्दु की ओर लाता है – परमेश्वर ने विधवा को मुहैया कराने के लिए क्या नियम बनाया, विशेष तौर पर, उसके वारिस का प्रबंध करने में। व्यवस्था. 25:5.

जबकि आप उस भाग की ओर जा रहे हैं, थोड़ी सी पृष्ठभूमि। यह ऐसा नियम नही है कि इसे पुराने नियम की हर जगह पर इस्तेमाल किया गया हो और यहाँ रूत की पुस्तक में भी, परंतु यही पृष्ठभूमि है। जमीन और यहाँ पर परिवार, के बारे में परमेश्वर के दिल की बातों को पकड़ लें। व्यवस्था. 25:5 देखें: *''जब कोई भाई संग रहते हों, और उनमें से एक निसंतान मर जाए, तो उसकी स्त्री का ब्याह पराए गोत्र में न किया जाए; उसके पति का भाई उसके पास जाकर उसे अपनी पत्नी कर ले, और उस से पति के भाई का धर्म पालन करे। और जो पहिला बेटा उस स्त्री से उत्पन्न हो''* यहाँ ध्यान दें, *''वह उस मरे हुए भाई के नाम का ठहरे, जिससे कि उसका नाम इस्राएल में से मिट न जाए।''* (व्यवस्था. 25:5,6)

अतः परमेश्वर ऐसी हालत में कुटुम्बी के द्वारा यह निश्चय करने के लिए प्रबंध करने जा रहा है कि उसका नाम बना रहे। पद 7 *''परंतु यदि वह न चाहे ......''* और इसीलिए यह गंभीर है –

''यदि उस स्त्री के पति के भाई को उसे ब्याहना न भाए, तो वह स्त्री नगर के फाटक पर वृद्ध लोगों के पास जाकर कहे, कि मेरे पति के भाई ने अपने भाई का नाम इस्राएल में बनाए रखने से नकार दिया है, और मुझसे पति के भाई का धर्म पालन करना नहीं चाहता। तब उस नगर के वृद्ध उस पुरूष को बुलवाकर उसे समझाएँ; और यदि वह अपनी बात पर अड़ा रहे, और कहे, कि मुझे इसको ब्याहना नहीं भावता, तो

उसके भाई की पत्नी उन वृद्ध लोगों के सामने उसके पास जाकर उसके पांव से जूती उतारे, और उसके मूंह पर थूक दे; और कहे, जो पुरूष अपने भाई के वंश को चलाना न चाहे उस से इसी प्रकार व्यवहार किया जाएगा। तब इस्राएल में उस पुरूष का यह नाम पड़ेगा, अर्थात् जूती उतारे हुए पुरूष का घराना।''

यह कैसा लगा? यह शर्मनाक तश्वीर है। आपके परिवार के लिए प्रबंध करना, परिवार को देश में रखना और नाम को बनाए रखना सम्माननीय है। अतः जब हम रूत 4 में आते हैं तो हमें कुटुम्बी छुड़ानेवाले की यह तश्वीर मिलती है, बोअज ने यह कहा था कि एक नजदीकी व्यस्क पुरूष रिश्तेदार है जिसके पास यह भूमि खरीदने और इस परिवार को लेने का अधिकार है।

अब बोअज शहर के फाटक पर जाता है जहाँ से सब लोग गुजरते हैं, जहाँ हम देख सकते हैं कि व्यवसाय इत्यादि होते हैं। वहाँ लोगों की भीड़ है और इस जगह पर केवल हिन्दी अनुवाद हमारी मदद नही करता, हमें यहाँ पर उस तश्वीर को नही दिखाता परंतु यही तश्वीर हम रूत 2 में पाते हैं। यह तश्वीर एक तरीके इत्तफाक है कि अचानक से ''छुड़ानेवाला कुटुम्बी'' का उल्लेख आता है। और ऐसा होता है कि यह वहाँ चलना शुरू करता है ... ''बोअज कहता है, ''मेरे दोस्त, इधर आ और बैठ।'' (रूत 4:1) और यहाँ की तश्वीर, ''......मेरे दोस्त....'' यह एक इब्री मुहावरा है। मैं आपको कुछ रोचक बात दिखाना चाहता हूँ।

वह उस व्यक्ति का नाम नही लेता है। बोअज उसका नाम जानता है। वह उसका नजदीकी रिश्तेदार है। लेखक भी शायद उसका नाम जानता होगा। परंतु, उसके नाम की बजाय, वहाँ हम एक इब्री मुहावरा पाते हैं जिसका मूल अर्थ है .... यह इस प्रकार कहने के समान होगा, ''फलाना आदमी।'' अर्थ इतना है कि उस पर अधिक रोशनी न डालकर, उसे महत्वपूर्ण नही बताया जा रहा है। गुमनाम पहचान, नाम के नही होने में, जैसा हम यहाँ बात कर रहे हैं, न्याय समाविष्ट है। तश्वीर यह है कि फलाना आदमी इस कहानी में नाम तक नही पाता है।

यह लगभग ऐसा है कि जब कोई आपके पास आता है, और आपको जल्दी से उसका नाम याद नही आता है, आप उसे काफी पहले से जानते होंगे, और वह आ रहा है, और आप सोच रहे हैं कि मुझे इस आदमी का नाम याद करना है। मुझे इसे याद करना है और फिर भी आप याद नही कर पाते हैं, और अंत में बस कह डालते हैं, ''हेलो, कैसा चल रहा है, दोस्त'' या कोई अच्छा मसीही कहेगा, ''हेलो भाई, क्या हाल चाल हैं।''

यह है तश्वीर, ''हेलो भाई, आओ, यहाँ आकर मेरे पास क्यों नही बैठ जाते?'' ''... और वह उधर जाकर बैठ गया।'' (रूत 4:1) पद 2, ''तब उसने नगर के दस वृद्ध लोगों को बुलाकर कहा, यहीं बैठ जाओ; वे भी बैठ गए।'' (रूत 4:2)

अब ये वृद्ध लोग वास्तव में यहाँ पर, गवाह के रूप में बैठने के लिए जा रहे हैं, इस आदान प्रदान में, या सहमति में, बातचीत में जो होगा, उसके गवाह ये होंगे। अब देखिए, उन दोनों के चारों ओर वे दस वृद्ध बैठे हैं, और स्वाभाविक है, भीड़ बढ़ती जा रही है, क्योंकि यहाँ कुछ होने जा रहा है, चलते चलते लोग देखते हैं कि कुछ औपचारिक होने जा रहा है, और इस दृश्य के अंत में, आप एक पूरी भीड़ को एकत्रित पाते हैं जो वहाँ हो रही बातों को देख और सुन रही है। और बोअज बोलना प्रारंभ करता है। पद 3, *''.... तब वह छुड़ानेवाले कुटुम्बी से कहने लगा, नाओमी जो मोआब देश से लौट आई है वह हमारे भाई एलीमेलेक की एक टुकड़ा भूमि बेचना चाहती है। इसलिये मैं ने सोचा कि यह बात तुझ को जताकर कहूंगा, कि तू उसको इन बैठे हुओं के साम्हने और मेरे लोगों के इन वृद्ध लोगों के साम्हने मोल ले। और यदि तू उसको छुड़ाना चाहे, तो छुड़ा; और यदि तू छुड़ाना न चाहे, तो मुझे ऐसा ही बता दे, कि मैं समझ लूं: क्योंकि तुझे छोड़ उसके छुड़ाने का अधिकार और किसी को नहीं है, और तेरे बाद मैं हूँ।''*

यह एक प्रस्ताव है जिसे वह व्यक्ति नकार नही सकता। बोअज ने उसे सुनहरी कठौती में परोसा। आज हम सांस्कृतिक, ऐतिहासिक तौर पर उस दिन से अलग हैं, और आज भी इस बात में विवाद जारी है कि वास्तव में वहाँ क्या हुआ था और जब बोअज नओमी के द्वारा जमीन को बेचने की बात कहता है तो थोड़ी गलतफहमी हो सकती है, क्योंकि वास्तविकता यह है कि तकनीकी तौर पर, बेतलेहेम छोड़कर जाने से पहले नओमी और एलिमेलेक के पास जमीन थी और शायद उसे बेचकर वे मोआब गए होंगे। तकनीकी तौर पर यह एलिमेलेक के परिवार की, नओमी की, महलोन और किल्योन की होगी। परंतु एलिमेलेक, महलोन, किल्योन, परिवार के पुरूष कोई भी वहाँ नही है जिनके पास अधिकार है। और हाँ, यह नओमी की है परंतु उसे कोई रिश्तेदार चाहिए, जो उसके बदले में जमीन खरीद सके, उसे और जमीन को ले सके, उसकी देखभाल कर सके और जमीन को संभाल सके।

नओमी ऐसा करने को तैयार होती है और उस रिश्तेदार की खोज में है जो ऐसा कर सकता है। तुम नजदीकी रिश्तेदार हो। और पर उसने सुनहरी कठौती में प्रस्ताव दिया, वास्तव में यह उसके लिए कुछ ऐसा है कि दिमाग लगाने की जरूरत ही नही है। प्रस्ताव में वह जमीन का एक बड़ा हिस्सा पा रहा है, जमीन, जो सब कुछ है, जमीन जहाँ पर वह फल उगा सकता है, फसल काट सकता है और आने वाले

वर्षों में अपने बच्चों को दे सकता है। बदले में, केवल उसे यह देना है, उसे नओमी को लेने की सहमति देनी है, बच्चे संभालने की उम्र को पार कर चुकी, विधवा, एक थोड़ी सी संपत्ति उसकी देखभाल के लिए जरूरी पड़ेगी, परंतु सच्चाई यह है कि लंबे दौर में, यह एक मूल्यवान जमा पूँजी है।

अब कल्पना करें कि जब वह ये बातें बता रहा है तो वहाँ क्या हो रहा है और हम पद 4 के अंत में आते हैं, और आदमी उत्तर देता है, सोचने की जरूरत ही नही, ''मैं इसे छुड़ाऊँगा।'' (रूत 4:4) बल इस बात पर है, ''मैं – मैं, मैं ही, मैं छुड़ाऊँगा, हाँ, अवश्य।

अब, हम नही जानते परंतु कल्पना करें कि यदि रूत और नओमी भीड़ में आ जातीं और ये सब घटती हुई देखतीं, जैसे कि हम इसे होते हुए देख रहे हैं। फलाना आदमी कह रहा है, ''मैं इसे छुड़ाऊँगा'' और हमारे दिल सन्न रह जाते हैं। क्या आप रूत के चेहरे को देख सकते हो? देख रेख करने वाले, श्रीमान ने कहा कि मैं छुड़ाने जा रहा हूँ।

व्यक्तिगत तौर पर, मैं बोअज को देखना चाहता हूँ और वह ऐसे खड़ा है जैसे कह रहा हो, अरे, तुम क्या करने जा रहे हो, दोस्त। यदि रूत की पुस्तक 4:4 में ही समाप्त हो जाती, तो हम पागल हो जाते। और रूत और श्रीमान, उसका नाम क्या है, दोनो एक साथ दूर जाते हुए दिखाई देते। नही। और बोअज वहाँ अवाक् बैठा है। आप नओमी कड़वी के बारे में बात करो? वो, अब कड़वी नही है, वह कुपित है। बोअज, तुमने क्या सोचा था? मेरा नाम अब कड़वाहट नही है। अब मेरा नाम फुंकार है, बोअज। तुमने यह क्या किया? सब कुछ समाप्त कर दिया। बोअज क्या सोच रहा था।?

और, धन्यवाद हो, बोअज जानता था कि वह क्या कर रहा है। व्यक्ति कहता है, ''मैं छुड़ाऊँगा।'' ''फिर बोअज ने कहा, जब तू उस भूमि को नाओमी के हाथ से मोल ले, तब उसे रूत मोआबिन के हाथ से भी जो मरे हुए की स्त्री है इस मनसा से मोल लेना पड़ेगा, कि मरे हुए का नाम उसके भाग में स्थिर कर दे।'' (रूत 4:5)

अब, बोअज जानता है कि वह क्या कर रहा है। पद 5 में, यहाँ वह कहता है, अरे अरे, एक बात और, मैं थोड़ा और विवरण देना भूल गया। देखो, इस तश्वीर में केवल नओमी ही नही है, केवल विधवा ही नही, जो बच्चे पालने की उम्र पार कर चुकी है, रूकिए, रूत भी है। रूत बच्चे पालने की उम्र वाली है, इसका

मतलब, यदि तुम उसे घर ले जाओ, तो तुम्हे उसे बच्चों समेत पालना होगा जिसमें वारिस भी है, एक बेटा जिसे जमीन का अधिकार मिलेगा जिसे तुम खरीद रहे हो।''

और झट से, वह जमीन जिसे वह खरीदने जा रहा था, जिसे उसने अपने मन में देखा कि उसके बच्चों को मिल रही है, वह कुछ भी उसे नही मिलेगा। वह इस दूसरे बेटे को मिलेगी, और तो और, मोआबी स्त्री से जन्मे बच्चे को। अरे हाँ, मोआबी रूत।

''क्या तुम्हे याद है कि किस प्रकार इन मोआबी औरतों की वजह से, एक ही दिन में 24,000 इस्राएली मार डाले गए थे? हाँ, वह उनमें से ही है। और मैं यह बात आपके ध्यान में लाना चाहता हूँ। थोड़ा सा और विवरण। यदि तुम उसे भी ले लो, और उसके बच्चों को पालो पोसो जिसमें से एक को यह सारी जमीन मिलेगी, तो क्या इससे क्या कोई फर्क पड़ता है? इसी प्रकार, बोअज जानता था कि वह क्या कर रहा है।

और यहाँ, पद 6 ''उस छुड़ानेवाले कुटुम्बी ने कहा, मैं उसको छुड़ा नहीं सकता, ऐसा न हो कि मेरा निज भाग बिगड़ जाए। इसलिये मेरा छुड़ाने का अधिकार तू ले ले, क्योंकि मुझ से वह छुड़ाया नहीं जाता।'' (रूत 4:6)

और, इस पुस्तक की शुरूआत से ही, हम इसी क्षण का इंतजार कर रहे थे। भोजन, परिवार, एक ऐसे की तलाश में जो उनका ख्याल रख सके, और यहाँ यह दूसरा आदमी, श्रीमान 'उसका नाम क्या है', दृश्य से निकल जाता है और बोअज सामने आता है। पद 7 देखें, ''(उन दिनों में, इस्राएल में छुड़ाने के बदलने के विषय में सब पक्का करने के लिये यह व्यवहार था, कि मनुष्य अपनी जूती उतार के दूसरे को देता था। इस्राएल में गवाही इसी रीति होती थी) इसलिये उस छुड़ानेवाले कुटुम्बी ने बोअज से यह कहकर कि तू उसे मोल ले, अपनी जूती उतारी।'' (रूत 4:7–8)

यहाँ मूँह पर थूका नही जा रहा परंतु जूती उतारने का दृश्य जरूर है, एक तश्वीर जो संपत्ति, उसे खरीदने, जमीन के टुकड़े को छुड़ाने के अधिकार को देने का प्रतीक है जो नओमी और उसके परिवार की है।

अतः वह जूती उतारकर बोअज को देता है। और बोअज, हर एक में खुशी की लहर उठती है और भीड़, – यह रोक्की की फिल्म की तरह है जहाँ रोक्की जीतता है और भीड़ एकदम में तालियों की तड़तड़ाहट में डूब जाती है। यहाँ ही तश्वीर है, ''खुद खरीद ले'' और वह जूती उसे देता है। और भीड़ पागल हो उठती

है, चारों ओर खड़े सभी गवाह। ये हुआ और फिर बोअज भीड़ को शांत करता है, ऑर्केस्ट्रा का बड़ा संगीत बोअज के लिए धीमी मृदुल धुन में बदल जाता है जहाँ वह अंतिम प्रचार, पुस्तक में उसका अंतिम संदेश देता है। बोअज कहता है, पद 9, *''तब बोअज ने वृद्ध लोगों और सब लोगों से कहा, तुम आज इस बात के साक्षी हो कि जो कुछ एलीमेलेक का और जो कुछ किल्योन और महलोन का था, वह सब मैं नाओमी के हाथ से मोल लेता हूँ।''* (रूत 4:9) फिर वह पूरी संपत्ति पा लेता है। और पद 10, *''और मैं .... रूत मोआबिन को भी .... लेता हूँ......''* और वह उसकी नागरिकता बताता है, *''महलोन की स्त्री रूत मोआबिन को भी मैं अपनी पत्नी करने के लिये लेता हूँ......''* (रूत 4:10)

अब यहाँ थेड़ा रूकें। और सोचें कि हम कहाँ से चले और कहाँ आ पहुँचे हैं। रूत को रूत 1:10 और 20 में ''मोआबी रूत'' और रूत 2:10 में ''विदेशी रूत'' कहा गया है। रूत 2:13 में वह बोअज के खेत में ''दासी'' है; और रूत 3:9 में, वह विवाह चाहने वाली ''सेविका'' है। हम मोआबी, विदेशी, दासी, सेविका में से होकर, रूत 4:10, ''पत्नी'' में आ पहुँचे हैं।

इस्राएल से बाहर की मोआबी स्त्री अब इस्राएल में इस्राएली स्त्री के रूप में रोपी गई है। क्यों? ''... क्यों कि वह मरे हुए का नाम उसके निज भाग पर स्थिर करूं, कहीं ऐसा न हो कि मरे हुए का नाम उसके भाइयों में से और उसके स्थान के फाटक से मिट जाए; तुम लोग आज साक्षी ठहरे हो!'' (रूत 4:10) इसे स्थिर रखा जाएगा। पुस्तक के प्रारंभ की समस्याः क्या वारिस की कोई संभावना है? बोअज कहता है, ''हाँ, है। मैं उसके नाम को स्थिर रखूँगा।'' और वह अपना संदेश यह कहकर समाप्त करता है, ''.....आज तुम साक्षी ठहरे हो।'' और देखिए उनका प्रत्युत्तर। पद 11, *''तब फाटक के पास जितने लोग थे, उन्होंने और वृद्ध लोगों ने कहा, हम साक्षी हैं।''* (रूत 4:11) यह इस प्रकार कहने के समान लग रहा है, ''आमीन! आमीन! हम साक्षी हैं।''

और फिर वे उस पर आशीष माँगने लगे, *''यह जो स्त्री तेरे घर में आती है उसको यहोवा इस्राएल के घराने की दो उपजानेवाली राहेल और लिआः के समान करे। और तू एप्राता में वीरता करे, और बेतलेहेम में तेरा बड़ा नाम हो;..''* (रूत 4:11) वहाँ एक लघु प्रार्थना है। राहेल और लिआ। उपजाऊपन की प्रार्थना की बात करते हैं, राहेल और लिआ, और दोनों के बीच – 12 पुत्र। इस्राएल के 12 गोत्र। यह एक मोआबी स्त्री है जिस पर प्रार्थना की जा रही है कि जैसे परमेश्वर इस्राएल के 12 गोत्रों को निकालने में विश्वासयोग्य था, वही कार्य परमेश्वर इस मोआबी स्त्री और तुम्हारे घर पर भी करे। *''तू एप्राता में वीरता करे, और बेतलेहेम में तेरा बड़ा नाम हो।'* (रूत 4:11)

यहाँ एप्राता के उपयोग में दुहरा अर्थ लग रहा है। कई लोग सोचते हैं कि यह बेतलेहेम का प्राचीन नाम है। इसका अर्थ फलदायक है जैसे बेतलेहेम का अर्थ रोटी का घर है। हमने पहले रूत 1:2 में देखा, लेखक ने एलिमेलेक और उसके घर को एप्रातीवाले कहा था। और यहाँ यही तश्वीर है। परंतु तेरा नाम महान हो, यहाँ बेतलेहेम में प्रसिद्ध हो, बेतलेहेम का महत्व तुम्हारे द्वारा जाना जाए। वहीं रूके रहिए।

पद 12 में, *''और जो सन्तान यहोवा इस जवान स्त्री के द्वारा तुझे दे उसके कारण से तेरा घराना पेरेस का सा हो जाए, जो तामार से यहूदा के द्वारा उत्पन्न हुआ।''* (रूत 4:12) अब यदि हमारे पास ज्यादा समय होता तो कुछ और पृष्ठभूमि को और देखते, पर सच बताऊँ, मेरे विचार से हमने पुराने की कई धुमिल कहानियाँ काफी देख लीं। अतः संक्षेप में, इसको छोड़ते हुए, और इसे यहीं छोड़ना अच्छा है। तुम उत्पति 38 में जा सकते हो यदि तुम वास्तव में इसे देखना चाहते हो, मूलतौर पर यह तश्वीर निम्न है.......

व्यवस्थाविवरण 25, विधवा के प्रबंध की पूरी तश्वीर को दिखाना चाहिए था, परंतु नही किया गया और परिणाम, तामार, जिसका पति मर चुका है, अपने ससुर के द्वारा बच्चों को उत्पन्न करने को मजबूर हो गई थी। उनमें से एक था पेरेस। वह जुडवाँ में से एक है पेरेस।

यहाँ व्यवस्था. 25 के अलावा, कुछ और जोड़ा है, यदि यह वहाँ नही जोड़ा गया, यहाँ किया गया है। यह तश्वीर है कि तामार, एक कनानी स्त्री, इस्राएल से बाहरवाली, तश्वीर है कि यहूदा का वंश गैर इस्राएली स्त्री के द्वारा बढ़ाया जा रहा है। और यहाँ यही हो रहा है और, ''जिस प्रकार परमेश्वर ने कनानी स्त्री तामार के द्वारा यहूदा के वंश को आगे चलाया, तुम्हारा वंश भी इस मोआबी स्त्री, रूत के द्वारा आगे बढ़ाया जाए।''

यही थी उनकी प्रार्थना। उन पर उन्होने आशीषों की प्रार्थना की और इसी घड़ी हम इसे होते हुए देख रहे हैं। हम उस चरम को देखेंगे कि ये रिश्ता कहाँ जाएगा, वो छुड़ानेवाला कुटुम्बी, बोअज आगे आ गया है, उसने वायदा किया है, और हम पद 13 पर आते हैं और बाइबल कहती है, ''तब बोअज ने रूत को ब्याह लिया, और वह उसकी पत्नी हो गई; और जब वह उसके पास गया तब यहोवा की दया से उस को गर्भ रहा, और उसके एक बेटा उत्पन्न हुआ।'' (रूत 4:13)

आप जानते हैं कि इस कहानी में रोचक क्या है? हर एक महत्वपूर्ण विवरण, ब्यौरे की तरह। आप एक पूरे अध्याय को खेत के दृश्य को दिखाते हुए देखते हो। एक पूरे अध्याय में, एक रात के कुछ घंटे, और एक पद में विवाह और इसी प्रकार एक बच्चा। पूरी पुस्तक की समस्या को एक ही पद में हल कर दिया गया। अरे हाँ, उनका विवाह हुआ और बेटा उत्पन्न हुआ।

क्या आपने देखा कि लेखक ने यहाँ क्या किया, जान बूझकर? इसे रेखांकित कर लें नही तो इससे चूक जाएँगे। ''हाँ, तब बोअज ने रूत को ब्याह लिया, और वह उसकी पत्नी हो गई; और जब वह उसके पास गया।'' यहाँ है वो रोचक बात जिसे आप रेखांकित करें, ''..... तब यहोवा की दया से उस को गर्भ रहा, ... '' (रूत 4:13)

हमने याहवेह को पृष्ठभूमि में कार्य करते देखा, इस पुस्तक की लगभग हर पद में। लेकिन दो बार, लेखक विशेष तौर पर, परमेश्वर को सामने लाना चाहता है। यहाँ और, मेरे साथ थोड़ा पीछे चलो, रूत 1:6, उसे रेखांकित कर लो। दो बार, प्रत्यक्ष तौर पर, परमेश्वर कार्य कर रहा है, रूत 1:6 को देखें, ''जब उसने, 'नओमी' ने मोआब में सुना कि परमेश्वर ने अपने लोगों की सुधि ली है।'' (रूत 1:6) परमेश्वर ने यह किया। याहवेह ने यह किया। तश्वीर है कि याहवेह ने भोजन की व्यवस्था की। यह पुस्तक की एक जरूरत है, ठीक। और दूसरी जरूरत क्या है? परिवार। परमेश्वर ने उस पर दया की कि वह गर्भ धरे। लेखक हमें यह बताने में जानबूझकर निश्चित करना चाहता है कि याहवेह ने ही यह किया था, याहवेह ने भोजन और परिवार का प्रबंध किया। याहवेह ने किया, भाईयों और बहनों, याहवेह ने ही किया जो अकेले हमारे जीवन की हर गहन जरूरत को पूरा कर सकता है।

स्पष्ट तौर पर, याहवेह अकेले ऐसा कर सकता है। अतः वह कहता है, ''.....परमेश्वर की दया से उसने गर्भ धरा'' और तब तुम, पद 14 पर आते हो, और वहाँ जन्म दिवस को मनाते हुए देखते हो, बहुत सारी स्त्रियाँ पार्टी में आई हैं। ''स्त्रियों ने नओमी से कहाः प्रभु का धन्यवाद हो, (रूत 4:14) उन्हे पता कि सम्मान किसको मिलना चाहिए। याहवेह को धन्यवाद, ''....जिसने तुझे आज छुड़ानेवाले कुटुम्बी के बिना नहीं छोड़ा.... .'' (रूत 4:14)

जो यहाँ रोचक लगता है। यहाँ स्त्रियाँ बच्चे को छुड़ानेवाला कुटुम्बी कहती हैं। यह पुराने नियम की एकमात्र जगह है जहाँ एक अवयस्क को छुड़ानेवाला कुटुम्बी कहा गया है। यहाँ की सारी घोषणाएँ बच्चे की ओर इशारा कर रही हैं और तश्वीर समान नही है क्योंकि बोअज छुड़ानेवाला कुटुम्बी था परंतु वह

बच्चा पारिवारिक वंश को बढ़ाने जा रहा है, नओमी के भविष्य का प्रबंध करने जा रहा है, और क्या कहूँ, उसके जाने के बाद भी।

''इस्राएल में इसका बड़ा नाम हो। और यह तेरे जी में जी ले आनेवाला और तेरा बुढ़ापे में पालनेवाला हो, क्योंकि तेरी बहू जो तुझ से प्रेम रखती और सात बेटों से भी तेरे लिये श्रेष्ठ है उसी का यह बेटा है।'' (रूत 4:14–15) – सात, पुराने नियम में सिद्धता या संपूर्णता की संख्या। इसके बारे में सोचें। नओमी मोआब से बेतलेहेम वापिस लौटकर वहाँ की औरतों से कहती है कि उसने कुछ नही पाया। मैने सब कुछ खो दिया, और अब पुस्तक के अंत में, बेतलेहेम की स्त्रियाँ नओमी को देखकर कह रही हैं कि तुमने इस स्त्री में, सर्वश्रेष्ठ पुत्रों से भी अधिक, सात बेटों से भी बेहतर पाया है। वे जानती हैं कि वह नओमी से प्रेम करती है, उसके प्रति समर्पित है और उसे जन्म दिया है।

हाँ, यह समाप्ति की ओर बढ़ रहा है, इसी जगह पर, हम थियेटर की तरह, एक दूसरे की ओर देखते हैं और वाह! क्या मजेदार कहानी थी। वास्तव में अच्छी थी। हृदयस्पर्शी थी। यह मेरी सोच से भी बड़ी थी। और अगला पद कहता है, ''नओमी ने बच्चे को लिया, अपनी गोद में बिठाया और उसकी धाय का काम करने लगी।''

यह घड़ी है कि परदा गिरने जा रहा है और दादी ने बच्चे को थामे हुए हैं। शुरू से क्या किसी ने ऐसा सोचा था? वाह। तुम आपस में देखते हो, भावुक हो, समय आ गया कि अपना सामान बाँधो और सबके जाने से पहले निकल लो। और तुम अपना सामान बाँधना और थियेटर से निकलने की तैयारी करने लग जाते हो।

मुझे नही पता कि आपने कभी किसी फिल्म को देखने के बाद ऐसा किया होगा, आप बाहर निकालने लगे कि तभी, अचानक परदे पर कुछ होता है जो आपको वहीं रोक देता है, कुछ अनेपक्षित प्रकट होता है और इसी तश्वीर को मैं दिखा रहा हूँ। कहानी पूरी है। हमारी सोच से अधिक वहाँ होता है। अतः हम खड़े हो रहे हैं, अपना सामान बाँध रहे हैं, बाहर निकल रहे हैं। आपने शायद कभी ऐसे महसूस किया होगा, आप चले देते हैं और दरवाजे की तरफ बढ़ रहे हैं और तब अचानक से आप सुनते हैं, परदे पर फिर से लोग प्रकट हो रहे हैं, और आप वापिस दौड़कर आते और कहते हैं, ''वह क्या था?''

आप जाने को तैयार हैं, यह मजेदार कहानी थी, चलने को तैयार हैं, और तब लेखक अंत के लिए इसे संभालकर रखता है। पद 17 ''और उसकी पड़ोसिनों ने यह कहकर, कि नओमी के एक बेटा उत्पन्न हुआ है, लड़के का नाम ओबेद रखा।'' (रूत 4:17) क्या? आप जान जाते हैं कि यह कहानी केवल रूत और बोअज और एक छोटी प्रेम कहानी से बढ़कर थी। इसी प्रकार परमेश्वर, हमारे इतिहास से सब से अंधेरे समय के दौरान, हमारे इतिहास के सबसे महान राजा के लिए मार्ग तैयार कर रहा था।

रूत दाऊद की दादी माँ है। क्या आपने ऐसा होते देखा? यह चकित करता है। क्या? परमेश्वर ने वायदे के देश से विमुख हुए एक इस्राएली के बदले में, एक मोआबी स्त्री का उपयोग इस्राएलियों की निराशा में आशा जगाने के लिए किया जो अन्यथा, निराशा में ही डूब जाने की इंतजार में थे ताकि हम सबसे महान राजा को पा सकें।

हमने सोचा होता कि ऐसा होने जा रहा है, और अपनी को हम तक पहुँचाने का निश्चय करते हुए, लेखक वंशावली के साथ, 10 पीढ़ियों की सूची के साथ अपनी बात समाप्त करता है। आप इसके बारे में सोचें। इसके अंदर मौजूद प्रतीकात्मक आभास को देखें, मोआब में 10 साल की मृत्यु और बांझपन। नियम जो कहता है कि कोई भी मोआबी सभा में दसवीं पीढ़ी तक प्रवेश न करे।

और वह समाप्त करता है, ''पेरेस की यह वंशावली है, अर्थात् पेरेस से हेब्रोन, और हेब्रोन से राम, और राम से अम्मीनादाब, और अम्मीनादाब से नहशोन, और नहशोन से सल्मोन, और सल्मोन से बोअज, और बोअज से ओबेद, और ओबेद से यिशै, और यिशै से दाऊद उत्पन्न हुआ। (रूत 4:18–22)

यह पुस्तक जो इस बात से शुरू होती है कि उन दिनों में न्यायी राज करते थे, और इसका अंत इस्राएली इतिहास के सर्वाधिक प्रसिद्ध राजा के परिचय के साथ होता है और हमें पता चलता है कि यह कहानी किसी बड़ी बात, हमारी कल्पना से कहीं परे, कुछ विशेष बात बताने के लिए थी।

छुटकारे के इतिहास में बोअज ......

उनके बारे में क्या? वह एक अद्भुत कहानी है। और परमेश्वर ने इस कहानी को इतने हजारों साल तक सुरक्षित क्यों रखा? परमेश्वर ने आज के लोगों को बताते के लिए इस कहानी को क्यों रखे रखा? क्या हमारे मनोरंजन के लिए? नही, कुछ अधिक के लिए, कुछ गहरे कारण की वजह से।

मैं आपको दिखाना चाहता हूँ कि किस प्रकार परमेश्वर इस कहानी को स्वयं के लोगों को छुड़ाने की उसकी बड़ी कहानी से जोड़ता है। छुड़ाना शब्द का अर्थ खरीदना, मोल लेना, कीमत देकर स्वंतत्र करना है और मानवता की कहानी ही वह कहानी है, जो उत्पति 3 में मनुष्य के पतन से शुरू होती है, जिसमें परमेश्वर कीमत चुकाकर अपने लोगों को छुड़ाने के लिए योजना बना रहा है। पूरी बाइबल की पूरी कहानी यही है।

मैं आपको दिखाना चाहता हूँ कि कैसे बोअज, छुड़ानेवाला कुटुम्बी, ओबेद को भी छुड़ानेवाला कुटुम्बी कहा गया है, इस तश्वीर में सही लागु होता है और यह भी किस प्रकार मसीह भी इस तश्वीर में लागु होते हैं। हम बोअज से शुरू करते हैं।

बोअज हमें क्या सिखाता है? और यह न भूलें कि हमें किसी भी व्यक्ति को परमेश्वर के समान नही उठाना है; बोअज को परमेश्वर के समान, या ओबेद को परमेश्वर के समान या कोई और परमेश्वर के समान। परमेश्वर अपना गुण कहानी के पात्रों के द्वारा प्रकट करता है लेकिन कोई भी प्रत्यक्ष संबंध मौजूद नही है, हम कुछ बातें सीखते हैं।

व्यक्ति में छुड़ाने का अधिकार होना चाहिए

बेअज की छुड़ानेवाली कहानी से हम क्या सीखते हैं? हम छुड़ानेवाले की तश्वीर देखते हैं, और वह छुड़ानेवाला कुटुम्बी कैसे बनता है। एक, छुड़ाने के लिए, व्यक्ति में छुड़ाने का अधिकार होना चाहिए। उसे नजदीकी छुड़ानेवाला कुटुम्बी होना चाहिए, एक नजदीकी रिश्तेदार जिसमें ऐसा कार्य करने का अधिकार हो। अतः पूरी तश्वीर इस बात के इर्द गिर्द है कि किसके पास अधिकार है। पहला अधिकार श्रीमान फलाना के पास है और फिर बोअज के पास। उसके पास छुड़ाने का अधिकार है।

व्यक्ति के पास छुड़ाने के साधन होने चाहिए।

छुसरा, व्यक्ति के पास छुड़ाने के साधन होने चाहिए। कुटुम्बी के पास छुड़ाने की कीमत होनी चाहिए। रिश्तेदार के पास संपत्ति खरीदने, जमीन मोल लेने या परिवार में जो भी हो, उसे लेने के साधन होने चाहिए।

व्यक्ति के पास छुड़ाने का निश्चय होना चाहिए

व्यक्ति के पास अधिकार होना चाहिए, साधन होने चाहिए, और तीसरा, व्यक्ति के पास छुड़ाने का निश्चय होना चाहिए। इन अंतिम दोनों में एक या दोनों, तश्वीर यह है कि उस श्रीमान फलाना, उसका नाम क्या है, उसके पास ही अधिकार है। या तो उसके पास साधन नही हो, और वो उसके पास है, परंतु छुड़ाने का निश्चय नही है। क्योंकि – यह लेनदेन, इस परिवार को लेना उसके लिए लाभदायक नही है, जिसकी उसे संभाल करनी पड़ेगी और अपने परिवार का प्रबंध नही कर पाएगा।

और बोअज, बाहर से इस लेनदेन में उसको भी लाभ नही है, परंतु यह आखिरकार, 'हेसेद' की बात है – करूणा – जिसके बारे में हमने पिछले संदेश में सुना, जोखिम उठाने वाला प्रेम। त्याग से भरा प्रेम। स्वयं से परे देखने वाला प्रेम और यही तश्वीर हम बोअज में देखते हैं। उसके पास अधिकार है, साधन हैं एवं उसमें निश्चय है और इसीलिए वह रूत का छुड़ानेवाला है। श्रीमान बेनाम वचन के पन्नों से गायब हो जाता है, क्योंकि उसके पास निश्चय नही था क्योंकि उसने वही किया जो एक आम व्यक्ति करता है।

छुटकारे के इतिहास में ओबेद ...

बोअज और छुटकारे का इतिहास। व्यक्ति के पास अधिकार हो, साधन हों और छुड़ाने का निश्चय हो। तो ओबेद का क्या जिसे अंत में छुड़ानेवाला कुटुम्बी कहा गया है? यह रोचक है, क्या आपने देखा कि कहानी के अंत में रूत बहुत कम दिखाई पड़ रही है? देखिए, पार्टी हो रही है और वे बातें कर रही हैं परंतु बच्चे को किसने उठा रखा है? ऐसे कि रूत कहीं पास आ ही नही सकती हो। नओमी बच्चे को उठाए है। दादी माएँ ऐसा ही करती हैं। सही कहा? और पूरी रोशनी, बोअज या रूत पर नही है। पूरी रोशनी नओमी और ओबेद पर है। क्यों?

इससे न चूकें। यहाँ एक तश्वीर है। लेखक इस पुस्तक के अंत में उसी तश्वीर के आधार पर, इस तश्वीर को डालना चाहता है जो हमने कहानी की शुरूआत में देखी थी। रूत 1 और 4 में तुलना करें, विशेष तौर पर, नओमी के बारे में, जहाँ अब वो रोशनी में है और उसकी बाँहों में ओबेद के बारे में सोचें जो हमें नओमी के जीवन में परमेश्वर के कार्य को दिखाता है।

परमेश्वर अपने लोगों को मृत्यु से जीवन की ओर ले आता है

पहला, हमें दिखाता है.... देखें कि परमेश्वर अपने लोगों को मृत्यु से जीवन की ओर ले आता है। यहाँ उत्पन्न रूपांतरण के बारे में सोचें। रूत की पुस्तक तीन शव संस्कारों के साथ शुरू होती है। और यह एक

विवाह एवं एक बच्चे के साथ समाप्त होती है। मृत्यु्जीवन, और रूत 1 में नओमी के शब्दों से, सर्वशक्तिमान दोनों पर सर्वोच्च है। वह अपने लोगों को मृत्यु से जीवन की ओर लेकर आता है। जीवन मृत्यु पर जय पाता है। पुस्तक का अंत।

परमेश्वर अपने लोगों को शाप से आशीष की ओर लेकर आता है।

दूसरा, परमेश्वर अपने लोगों को शाप से आशीष की ओर लेकर आता है। अध्याय 1, वह प्राचीन इस्राएल के सभी शापों से शापित थी। उसके वंश को जारी रखने वाला कोई नही। अंत में, उसके लिए आशीषों पर आशीषें की प्रार्थना होती है। परमेश्वर अपने लोगों को शाप से आशीष की ओर लेकर आता है।

परमेश्वर अपने लोगों को कड़वाहट से खुशी की ओर लेकर आता है।

दूसरा, परमेश्वर अपने लोगों को कड़वाहट से खुशी की ओर लेकर आता है। क्या आप पुस्तक के अंत में, अपने बच्चे को अपनी गोद में खिला रही नओमी के चेहरे पर मुसकान देख सकते हैं? मुझे कड़वी न कहो। मुझे उल्लसित कहो। वह बहुत ही खुश है। उसे कड़वाहट से खुशी की ओर लाया गया है।

परमेश्वर अपने लोगों को खालीपन से परिपूर्णता की ओर लेकर आता है।

अगली बात, परमेश्वर अपने लोगों को खालीपन से परिपूर्णता की ओर लेकर आता है। आपको याद है, अध्याय 1 के अंत में, हमने पाया कि नओमी ने खाली हाथ दिखाकर बेतलेहेम की स्त्रियों को कहा, मेरे पास कुछ नही रहा। कुछ नही रहा। प्रभु ने मुझे खाली लौटाया है और उसके पास ही खड़ी है रूत, मोआबिन बहु और उसी के कारण, पुस्तक के अंत में, अब वो खाली हाथ नही, उस मोआबिन बहु की वजह से, अपनी बाँहों में वह बच्चे को लिए खड़ी है। खालीपन से परिपूर्णता। और बेतलेहेम की स्त्रियाँ अब कह रही हैं कि उसके पास सब कुछ है, सात बेटों के होने से भी ज्यादा।

परमेश्वर अपने लोगों को निराशा से आशा की ओर लेकर आता है।

और अंत में, मृत्यु से जीवन, शाप से आशीष, कड़वाहट से खुशी, खालीपन से परिपूर्णता, और परमेश्वर अपने लोगों को निराशा से आशा की ओर लेकर आता है। और यह पुस्तक, असहनीय अतीत की ओर देखते हुए नही, परंतु एक अविश्वसनीय, कल्पना से परे आगे की दस पीढ़ियों की ओर देखते हुए समाप्त होती है। भविष्य में, जहाँ यह वंश पहुँचेगा, राजा दाऊद की ओर। और यहीं पर हमें याद आता है कि रूत 4:22 कहानी का अंत नही है।

कृपया मेरे साथ जल्दी से आगे की ओर मती 1 में आइए। यदि पुराने नियम के संत भी देख लेते कि यह डील कहाँ की ओर जा रही थी। ऐसे कि वे वास्तव में कई समय तक इंतजार में थे कि ये सब स्पष्ट हो जाए, परंतु यह सब कुछ बदलने जा रहा था। यह कहानी, पुराने नियम के पन्नों में कहीं छुपी हुई, आगे के छुटकारे के इतिहास की ओर इशारा कर रही थी। मती 1. मैं आपको वचन में फिर बोअज और रूत दिखाऊँगा। पद 5, *''सलमोन का पुत्र बोअज....''*, इस पर गोला लगाएँ, *''बोअज और रूत से ओबेद उत्पन्न हुआ; और ओबेद से यिशै उत्पन्न हुआ। और यिशै से दाऊद राजा उत्पन्न हुआ।''* (मती 1:5–6)

यहीं पर रूत की पुस्तक समाप्त होती है। लेकिन मती शुरू होता है। *''और दाऊद से सुलैमान उत्पन्न हुआ.. .''* (मती 1:5–6), और इसी प्रकार, इसी प्रकार, पद 16 की ओर, *''और याकूब से यूसुफ उत्पन्न हुआ; जो मरियम का पति था जिस से यीशु जो मसीह कहलाता है उत्पन्न हुआ।'* (मती 1:16) और रूत 4 में राजा दाऊद से भी बड़े एक और राजा की ओर इशारा है। यह वंश सीधा राजा यीशु की ओर इशारा करता है।

छुटकारे के इतिहास में मसीह....

सोचिए, छुटकारे के इतिहास में, बोअज और ओबेद को लाने का उद्देश्य केवल हमारा मनोरंजन करवाना नही था। बोअज और ओबेद मानव इतिहास के उस पन्ने में हैं जो हमें उस दिन को दिखाते हैं जब परमेश्वर ने, अपनी सर्वोच्च महिमा में, अपने अनुग्रह में, मनुष्य का रूप धरा और हमारे समान बना। वह हमारे बीच में जन्मा, हर तरह से हमारे समान बना, लेकिन पापरहित था। हमारी तरह। हमारे पास। हमारे साथ। रिश्तेदार। और परिणामस्वरूप, हमारे समान बनकर, उसके पास हमें छुड़ाने का अधिकार है।

क्या उसके पास हमें छुड़ाने का अधिकार है? हाँ, अवश्य। वही है जिसके पास स्वर्ग और पृथ्वी पर का सारा अधिकार है जो बच्चे के रूप में आ रहा है। वही है जो पाप, मृत्यु, सताव और कब्र पर अधिकार के साथ आएगा। वही आकर आँधी और लहर को शांत करेगा, बिमारों को चंगा करेगा, अंधों को आँखें देगा, लंगड़ों को चलाएगा, और दुष्टात्माओं को निकालेगा। वह मरे हुओं को जिलाएगा। निसंदेह, उसके पास छुड़ाने के साधन हैं। उसके पास अधिकार है, साधन है।

क्या उसके पास निश्चय है? क्या उसके पास निश्चय है? वह लकड़ी के क्रूस को उठाता है, इसलिए नही उसके करना पड़ा, इसलिए नही कि ऐसा करने को मजबूर था, परंतु इसलिए कि वह अपने जीवन से भी अधिक अपने पिता की आज्ञा को महत्व देता है और वह उठाता है। और वह केवल लकड़ी के क्रूस को ही

नही उठाता है। वह आपके और मेरे पाप को उठाता है, हमारे पाप में हमें मिले दण्ड के लिए, अनंत नाश के लिए, परमेश्वर से अलगाव के लिए क्रूस उठाया। हम सबको मिलने वाले दण्ड को उसने स्वयं पर उठा लिया, हमारे बदले में परमेश्वर के क्रोध को स्वयं पर ले लिया। परमेश्वर का धन्यवाद हो।

केवल यीशु ही हमारे उद्धार की कीमत को चुकाने के योग्य है

निसंदेह, उसके पास अधिकार, साधन और हमें छुड़ाने का निश्चय है और केवल यीशु ही हमारे उद्धार की कीमत को चुकाने के योग्य है। उसने हमें छुड़ाया है। 1 पतरस 1, '' ... चान्दी सोने अर्थात् नाशमान वस्तुओं के द्वारा नहीं हुआ। पर .... बहुमूल्य लोहू के द्वारा हुआ।'' (1 पतरस 1:18–19) जो उसने क्रूस पर बहाया। इफिसियों 1 में, '' हमको उस में .... छुटकारा, अर्थात् अपराधों की क्षमा...'' परमेश्वर के अनुग्रह ने '' ...सारा ज्ञान और समझ हम पर बहुतायत से डाला।'' (इफि.1:7–8)

अब, इससे न चूकें। इससे न चूकें। यह आपकी या हमारी तश्वीर नही, वरन् खेत में एक सुंदर रूत, यीशु की नजरों में आने, वह हमारी ओर आकर्षित है, हमारी ओर चलता चला आया। वास्वतविकता यह है कि हमारे अंदर का सब कुछ एक पवित्र उद्धारकर्ता को प्रकट करता है। हममें ऐसा कुछ नही है जो पवित्र परमेश्वर को हमारी ओर आकर्षित करता है। हम उससे फिर गए थे। उसके विपरीत चल रहे थे। हम उसके साथ कोई संबंध नही रखना चाहते, तौभी – तौभी वह हमारी ओर आता है।

इसके बारे में सोचें। यहाँ मती 1 में, मरियम के अलावा, चार स्त्रियों का उल्लेख आया है और उनमें से कोई भी यीशु मसीह की वंशावली में आने के योग्य नही है। इसके बारे में सोचें। पद 3 में, ''यहूदा और तामार से फिरिस और जेरा ....'' (मती 1:3) तामार जिसने अपने ससुर के साथ गलत संबंध बनाए, मसीह के वंश में है?

तब आप पद 5 पर आते हैं, ''सलमोन और राहब से बोअज उत्पन्न हुआ....'' (मती 1:5) – राहाब, गैर यहूदी वेश्या। और मोआबिन रूत, और फिर आप पद 6 के मध्य में आते हैं, ''दाऊद से सुलैमान उस स्त्री से उत्पन्न हुआ जो पहिले उरिय्याह की पत्नी थी....'' (मती 1:6) – व्यभिचारिणी, जिसने राजा दाऊद के साथ व्यभिचार किया? अरे, ये चार स्त्रियाँ परमेश्वर के पुत्र की ओर पहुँचने वाली वंशवली में कर क्या रही हैं?

भाईयों और बहनों, वे उन्ही कारणों से वहाँ हैं, जिन कारणों से आप और मैं भी मसीह में पाये जाते हैं, ऐसा नही कि उन्होने या हमने खुद अर्जित किया है, या इसके योग्य होने के लिए आपने या हमने कोई कार्य

किया है। हम मसीह में केवल इसलिए हैं क्योंकि हम पर मसीह का अनुग्रह है जो पापियों को बचाने आया। वह हमारे सबसे बुरे, शापित, अयोग्य पापों को उठाने आया। इसी प्रकार हम इस वंश में आते हैं, मसीह के अनुग्रह के द्वारा। हम खेत में थे, उसे आकर्षित करने की कोई योग्यता नही थी। और वह हमारी तरफ आया। उसने हमें सुरक्षा दी। हमारे लिए प्रबंध किया और हमारा स्तर बदल डाला। हम दास या अपरिचित नही हैं। हम जीवित परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियाँ हैं।

केवल यीशु ही हमारी पुनर्स्थापना को सत्यापित कर सकता है

केवल यीशु ही ऐसा कर सकता था। इतिहास में कोई और ऐसा नही कर सकता, कोई छुटकारा, अधिकार, साधन और निश्चय नही दे सकता। केवल यीशु ही हमारे उद्धार की कीमत चुका सकता है और यीशु ही हमारी पुनर्स्थापना का प्रमाण दे सकता है।

अब हमने, रूत के अंत में, नओमी की इस तश्वीर को कड़वाहट से आशीष की ओर जाते हुए देखा और हमने देखा कि स्त्रियाँ रूत, बोअज, नओमी और ओबेद के लिए प्रार्थना कर रही हैं, कि तेरा वंश बेतलेहेम में प्रसिद्धि लेकर आए। और ऐसा हुआ कि अगले अध्याय, मती 2 में, रोमी साम्राज्य में जनगणना की आज्ञा निकलती है, कि हर कोई अपने अपने गाँव में लौटे। और ऐसा हुआ कि यूसुफ और उसकी मंगेतर, मरियम भी अपने गाँव में लौटते हैं। और चूँकिवह बोअज के कुटुम्ब और कुल से है, वह बेतलेहेम का है। और मती 2 में, उसी शहर में जहाँ रूत 1 शुरू होता है, अकाल का स्थान, परमेश्वर के लोगों के विरोध में न्याय अब आशीष की जगह बन रहा है जो पृथ्वी पर परमेश्वर के पुत्र को लेकर आता है।

डील यह है। इससे न चूकें। जब परमेश्वर आपकी कहानी के अंतिम अध्याय को लिखता है, यह हमेशा अच्छे से समाप्त होती है। परमेश्वर के लोग। परमेश्वर के लोग जो उस पर भरोसा रखते हैं, यह उन परमेश्वर के लोगों के लिए है जो उस पर भरोसा रखते हैं, जब परमेश्वर आपकी कहानी का अंतिम अध्याय लिखता है, तो यह बहुत, बहुत अच्छा होता है। यीशु उसे प्रमाणित करता है। हम उसे जानते हैं। यदि आप परमेश्वर पर भरोसा नही करते हैं, तो आप पाप में रहते हैं, और आपको यह पता नही रहता। उसमें बने न रहें। परमेश्वर पर भरोसा रखें, मसीह पर अपने उद्धारकर्ता के रूप में भरोसा रखें और केवल वही आपकी पुनर्स्थापना के वायदे की गांरटी देने के योग्य है।

छुटकारे के इतिहास में कलीसिया ....

तो यह हमसे कैसे संबंधित है? छुटकारे के इतिहास में हमारी कहानी रूत और बोअज की कहानी से कैसे जुड़ती है? यहीं पर यह हमें चौंकाती है। क्या आप उसे पहचान पा रहे हैं? रूत और बोअज के जीवन में कार्य करने वाला वही परमेश्वर, हाँ वही परमेश्वर, आज आपके जीवन में भी कार्य कर रहा है। परमेश्वर व्यक्तिगत रूप से आपके जीवन में कार्यरत है जहाँ बिल्कुल ठीक समय पर यह कहानी आप तक पहुँचती है।

तो हम इस तश्वीर में कहाँ लागु होते हैं? इस तश्वीर से हम क्या समझ सकते हैं कि मेरे जीवन में इस परमेश्वर को कैसे जान सकते हैं?

परमेश्वर अपने लोगों का सर्वोच्च प्रबंध करने के लिए समर्पित है

दो सत्य। परमेश्वर अपने लोगों का सर्वोच्च प्रबंध करने के लिए समर्पित है। इसे जानें; परमेश्वर अपने लोगों का सर्वोच्च प्रबंध करने के लिए समर्पित है। रूत 1, वह सर्वशक्तिमान और सब चीजों पर सर्वोच्च है। इस तथ्य को कभी न भूलें कि परमेश्वर सर्वोच्च है। रूत पीछे हटने, हताशा, निराशा की कहानी है और परमेश्वर उन सब वस्तुओं पर सर्वोच्च है। मोआब गमन, पति की मृत्यु, दोनों बेटों का निधन, बेतलेहेम में खाली और कड़वाहट में लौटना, बोअज के खेत में एक दिन, दाँवने की जगह पर एक रात, एक कुटुम्बी जो उसकी सारी योजनाओं पर पानी डाल सकता है, एक बच्चे का जन्म – हर विवरण परमेश्वर की सर्वोच्चता तले। रूत की पुस्तक में ऐसा कुछ भी नही हो रहा जो उसके नियंत्रण में नही हो।

और तश्वीर है कि रूत की पुस्तक के अंत में, लेखक एक बड़ी तश्वीर, दाऊद की लेकर आता है क्योंकि वास्तविकता यह है कि जो परमेश्वर रूत, नओमी और बोअज के जीवन में कर रहा है, वह रूत, नओमी और बोअज से भी बड़ा है। वह अपने सब लोगों के लिए सर्वोच्च तरीके से प्रबंध कर रहा था, एक राजा के लिए जो अपने लोगों की, ध्यान दें, अपने लोगों की अगुवाई करेगा। परमेश्वर यही कर रहा है, सर्वोच्च तरीके से लोगों के लिए प्रबंध कर रहा है। और हमारे लिए उसकी प्रायोगिकता बड़ी है। इसका अर्थ है, भाईयों और बहनों, हम अपने सबसे बुरे समय में भी उस पर भरोसा रख सकते हैं।

शायद हम न समझ रहे हों, हमें पता न हो कि क्यों हो रहा है, आश्चर्यचकित हो कि ये चीजें कैसे सही होंगी। आपके जीवन में भी आपको रूत 1 के अंत की तरह लग सकता होगा, कि कोई आशा नही बची। परंतु यह जानें, हम जिस भी निराशा को सहते हैं, परमेश्वर अपने लोगों के लिए भलाई की योजना बना

रहा होता है। हमारे दर्द में, परमेश्वर हमारी भलाई की योजना बनाता है। आप कहेंगे, मेरे ऊपर आने वाले पाप का क्या? सुसमाचार की यही सुंदरता है, पाप ने ही रूत1 की पूरी तश्वीर को शुरू किया, वायदे का देश छोड़ना, समझौते के देश में जाना, परंतु परमेश्वर एलिमेलेक के पाप का उपयोग कर अपने लोगों के उद्धार की इस तश्वीर को प्रस्तुत करता है।

यह वास्तविकता है। मसीह की बदौलत, यह केवल मसीह के कारण संभव है ... क्योंकि मसीह के कारण पाप, भाईयों बहनों, आपके अतीत का पाप भविष्य की आपकी आशा को समाप्त नही कर सकता है क्योंकि वह पाप से छुड़ाता है। और दुख में, कठिन दौर की घड़ी में, जब सब कुछ अर्थहीन सा लगता है, ये सब लाने का कोई कार्य नही किया, यह क्यों हो रहा है? जब हम ऐसे दुख में से होकर गुजरते हैं, हम विश्वास कर सकते हैं कि इन सारी बातों के बीच में, परमेश्वर हमारे दर्द को हमारी भलाई बनाने की योजना बना रहा है।

लगभग 30 साल पहले, मुझे एक विश्वासी परिवार के दो सदस्यों के उत्सव में जाने का अवसर मिला जो इसी समान हालात में से होकर गुजर रहे थे, कल्पना से परे अंधेरेपन से होकर जा रहे थे जो उन्होने कभी सोचा तक न था। ए.टी. नामक एक पति ने अपनी पत्नी को कैंसर में पीड़ित और इस संसार से जाते हुए देखा। दूसरी, लूईस नामक एक पत्नी ने अपने पति की कार दुर्घटना में दर्दनाक मौत को देखा। मुझे भाईयों और बहनों के साथ ए.टी. और लुईस के पास जाने और विवाह की 25वीं वर्षगाँठ मनाने का मोका मिला। 30 साल पहले किसने सोचा होगा कि इन दंपत्तियों के जीवन में ऐसी खुशी को मनाया और अनुभव किया जाएगा?

स्वाभाविक है कि यह इतना आसान नही है। और यह भी कि हमेशा परमेश्वर केवल आराम और सहूलियत ही नही प्रदान करता है। परंतु भाईयों और बहनों, अंत में, यह हमेशा संतुष्टि प्रदान करने वाला ही होता है। हमेशा संतुष्टि देने वाला, मैं वायदा नही कर रहा कि इसी कहानी की तरह, जिसे मैने अभी अभी बताया, हमेशा सब कुछ अच्छा और खुशी के साथ समाप्त होगा, परंतु मैं, मसीह के अधिकार के आधार पर, यह गारंटी दे सकता हूँ कि यह संसार हमारा घर नही है और एक दिन आ रहा है कि स्वयं परमेश्वर आपकी आँखों से सारे आँसु पोंछ डालेगा, और विलाप न रहेगा, कोई रोना नही, कोई दर्द नही, क्योंकि पुराना बीत जाएगा और नया आएगा व आप और मैं उसके साथ होंगे। अय्यूब अपनी पुस्तक के 19वें अध्याय में यही पुकारता है, *"मुझे तो निश्चय है, कि मेरा छुड़ानेवाला जीवित है, और वह अन्त में पृथ्वी पर खड़ा होगा। और अपनी खाल के इस प्रकार नाश हो जाने के बाद भी, मैं शरीर में होकर ईश्वर का दर्शन पाऊंगा।*

उसका दर्शन मैं आप अपनी आंखों से अपने लिये करूंगा, और न कोई दूसरा। यद्यपि मेरा हृदय अन्दर ही अन्दर चूर चूर भी हो जाए।''

हम यह आत्म विश्वास पा सकते हैं। परमेश्वर अपने लोगों के सर्वोच्च प्रबंध के लिए कर्तव्यबद्ध है। हर बुरे समय में हम उस पर भरोसा रख सकते हैं। हम यह कैसे जानें? क्योंकि हम जानते हैं कि परमेश्वर के लोग होने के नाते, अच्छे दिन आने वाले हैं। हर बुरे समय में हम उस पर भरोसा रख सकते हैं क्योंकि अच्छे दिन आने वाले हैं। यही सुसमाचार है।

परमेश्वर सब लोगों को खोजने के लिए मूल तौर पर समर्पित है।

परमेश्वर सब लोगों के लिए सर्वोच्च प्रबंध कराने के लिए समर्पित है और इतना ही नही। रूत की पुस्तक का एक तथ्य, एक कदम, थोड़ा आगे, ... दूसरा सच, परमेश्वर सब लोगों के सर्वोच्च प्रबंध के लिए ही समर्पित नही है, वरन् वह सब लोगों को खोजने के लिए भी समर्पित है।

रूत की पुस्तक का यही भाग है जिसे हम खोना नही चाहते हैं। रूत 4, जिस प्रकार इस मोआबिन स्त्री का परमेश्वर के परिवार में लाया जाना उत्पति 12:1–3 में अब्राहम को दिए गए परमेश्वर के वायदे का पूर्तिकरण है। परमेश्वर अपने लोगों को आशीष देने जा रहा है कि उसकी आशीष किनके पास पहुँचे? पृथ्वी के सब लोगों के पास। तश्वीर दिखाती है कि परमेश्वर रूत में सभी विदेशियों का स्वागत कर रहा है।

यही तश्वीर हम दूसरी जगह पर पुराने नियम में उस परमेश्वर के बारे में देखते हैं जो मूल तौर पर सब लोगों को खोज रहा है, उसके साथ एक संबंध बनाने जो बाह्य जैविक वारिसाई से नही, वरन् हृदय की आंतरिक अवस्था से निर्धारित होता है। पुस्तक की शुरूआत में ही, रूत में दिखने वाला यह समर्पण उसे इस्राएलियों में लेकर आता है। और हर व्यक्ति, हर पुरूष, हर स्त्री, हर विद्यार्थी, हर बच्चे के लिए यही वास्तविकता है। बृह्माण्ड का परमेश्वर खोजने वाला परमेश्वर है, वह आपका छुटकारा चाहता है। वह आपके पापों को ढ़ाँपना चाहता है।

आप कहेंगे कि मेरा पाप बहुत बड़ा है। पर इतना बड़ा नही कि उसका लहू ढ़ाँप न सके। और यदि खोजने वाले परमेश्वर के लिए अपना दिल कभी नही खोला है और वह अपनी सर्वोच्चता में आपको यहाँ तक लेकर

आया है, इस क्षण तक, मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि अपना दिल आज पहली बार खोल दें, स्वयं के अंत में आकर कहें, ''हाँ, अपनी प्रेम कहानी मेरे दिल पर लिख। मेरे पापों को ढ़ाँप लें।

यह कोई धार्मिक खेल नही है, यह वास्तविकता है जो पूरी अनंतता को प्रभावित करती है। उस पर भरोसा रखें। अपने पापों से फिरें और केवल उस पर विश्वास करें जिसके पास अधिकार है, साधन है, छुड़ाने का निश्चय है और आपकी कहानी भी छुटकारे की इस महान कहानी का आज हिस्सा बन जाए।

और फिर, एक बार ऐसा करने के बाद, छुड़ाए गए भाईयों और बहनों, बाहर के लोगों के पास जाओ, जरूरतमंदों के करीब जाओ, चोटिल लोगों तक पहुँचो – मलिन, निंदित और निसहाय। उनके पास जाओ। हमारे पास छुटकारे की कहानी है। और हमारे शहर के चारों ओर लोग हैं, जो इसे नही जानते। उनके पास जाओ और उन्हे कहानी बताओ। यहाँ रूके न रहो। सैंकड़ों हजारों लोग यीशु के अस्तित्व तक को नही जानते, उनके पास उसके आने का कोई संकेत नही है, पर आपके और मेरे पास कहानी है, छुटकारे की महान गाथा जो हम उन तक ले जा सकते हैं अतः स्वयं पर अपने जीवन का समय बर्बाद न करें। आओ, उन्हे खोजें, उनका पीछा करें।

इस सुसमाचार के साथ राष्ट्रों तक पहुँचें। यह इतना अच्छा है कि इसे हम स्वयं तक सीमित नही रख सकते। हमारे द्वारा बनाया जा सकने वाला कोई भी धन अथवा हमारी संस्कृति में जीने का तरीका इस कहानी को पृथ्वी के छोर तक पहुँचाने से बढ़कर नही हो सकता जिसमें हम परमेश्वर के द्वारा लोगों को अपने पास बुलाने की कहानी बताते हैं। हमारे पास अधिकार है। मसीह ने हमें बचाया है। हमारे पास धन है। उसने अपनी उपस्थिति हममें डाली है।

प्रश्न यह है, क्या हममें निश्चय है? क्या हममें स्वयं से परे देखने का मन है और केवल यह नही कि हमारी संस्कृति में सर्वाधिक सफल होने के लिए हमारे लिए लाभदायक क्या है। क्या हममें मन है कि हम अपने अधिकारों को नीचे डाल दें, अपना जीवन न्यौछावर कर दें और जीवन भर इस कहानी को सब लोगों तक पहुँचाने में स्वयं को समर्पित कर दें?

परमेश्वर ऐसा होने दे। परमेश्वर ऐसा होने दे। इसीलिए हम यहाँ हैं। अतः हम यहाँ केवल आराम से बैठने या प्रेम कहानी का आनंद लेते नही परंतु इस प्रेम कहानी को पृथ्वी के छोर तक पहुँचाने में अपना सब कुछ लुटाने आए हैं।

क्या आप इस तस्वीर को पहचान चुके हैं? क्या आप इन व्यक्तियों, बोअज, रूत, नओमी को देख रहे हैं, उन्हे कोई जानकारी नही कि उनकी इस कहानी को हजारों साल बाद मसीह की ओर इशारा कर बताया जाएगा। उस प्रभाव को उन्होने सोचा तक न होगा जो छुटकारे के इतिहास में डालने जा रहा था। मैं आपके सामने प्रस्ताव रखना चाहूँगा कि परमेश्वर के लोगों, आपको भी पता तक न होगा जो परमेश्वर ने आपके लिए छुटकारे के इस बड़े इतिहास में रख छोड़ा है।

आप पूछेंगे कि आपका मतलब क्या हैं? मेरा मतलब है कि इस विश्वासी परिवार का एक सदस्य, एक पत्नी, एक माँ जो गौतमला जाती है, छुटकारे की कहानी बताती है और डोमिन्गो मसीह में आ जाता है। इसे पहचानें। उस एक क्षण में। क्या आप जान सकते हैं कि यह उस दिन, या अगले दिन, या अगले सप्ताह या अगले दस साले के प्रभाव से भी बड़ा है। यह प्रभाव डोमिन्गो के अनंत जीवन पर पड़ा है, हमेशा हमेशा के लिए, मसीह की स्तुति करते हुए। विश्वासी परिवार की एक साधारण पत्नी या माँ के माध्यम से परमेश्वर के द्वारा किए गए कार्य के परिणाम का प्रभाव।

और ज बवह पूरे विश्वासी परिवार के अंदर फैलता है तो क्या होता है? यही सच है। हम हमसे भी कुछ बड़े का हिस्सा हैं। परमेश्वर हमारी मदद करे। परमेश्वर मात्र इस जीवन के लिए हमारे मन और हृदय में जकड़े हुए, प्रतिस्पर्धा में लगे हुए ओछेपन, तात्कालिकता और लगावों के परे देखने में हमारी मदद करे। परमेश्वर हमारी आखों को उठाने और यह देखने में कदद करे कि हम केवल फुटबॉल या किसी और विशेषज्ञता से परे, एक बड़े उद्देश्य के लिए बने हैं। हम छुटकारे की महान कथा का भाग होने के लिए चुने गए हैं जहाँ परमेश्वर अपने अनुग्रह से सब राष्ट्रों के सामने अपनी महिमा प्रकट कर रहा है। अविश्वसनीय, परंतु हाँ, हम उसका हिस्सा हैं।

और! यही सच है। यह आपके दिल में उतरने पाए। परमेश्वर साधारण व्यक्तियों के द्वारा असाधारण उद्देश्य पूरा कर रहा है। हमारे विश्वासी परिवार में भी ऐसा ही हो। परमेश्वर हमारा, साधारण विश्वासियों से भरी हमारी साधारण कलीसिया का उपयोग करे कि हम उसके राज्य के असाधारण उद्देश्यों को पूरा कर सकें।

परमेश्वर ऐसा होने दे। ऐसा होने पाए। यह छुटकारे की कहानी है और मैं प्रतिक्रिया देने के लिए आपका स्वागत करता हूँ।

च्मतउपेपवदेरू ल्वन ंतम चमतउपजजमक ंदक मदबवनतंहमक जव तमचतवकनबम ंदक कपेजतपइनजम जीपे उंजमतपंस चतवअपकमक जींज लवन कव दवज ंसजमत पज पद ंदल ूलए नेम जीम उंजमतपंस पद पजे मदजपतमजलए ंदक कव दवज बींतहम ं मिम इमलवदक जीम बवेज व तिमचतवकनबजपवदण थ्वत ूमइ

चवेजपदहए ं सपदा जव जीम उमकपं वद वनत ू मइेपजम पे चतममितमकण ।दल मगबमचजपवदे जव जीम ंइवअम उनेज इम ंचचतवअमक इल त्ंकपबंसण

च्समेंम पदबसनकम जीम विससवूपदह `जंजमउमदज वद ंदल कपेजतपइनजमक बवचलरू ठल वंअपक च्संजजए ौ वंअपक च्संजज – त्ंकपबंसण ॅमइेपजमरू त्ंकपबंसण्दमज